ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–५३
दिनांक– शुक्रवार, ०९ जुलाई, २०२१

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.8 एवं 25.6 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 94 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 75 प्रतिशत, हवा की औसत गति 10.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 2.5 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 7.4 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.4 एवं दोपहर में 37.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 14.4 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(10–14 जुलाई, 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 10–14 जुलाई, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि में मानसून के थोड़ी कमजोर रहने के कारण अच्छी वर्षा की सम्भावना नहीं है। हालांकि इस अवधि में उत्तर बिहार के अनेक स्थानों पर हल्की–हल्की वर्षा हो सकती है। अगले एक–दो दिनों में कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा हो सकती है। सारण, सिवान, गोपालगंज, पूर्वी तथा पश्चिमी चम्पारण के जिलों के कुछ स्थानों पर मेघ गर्जन के साथ आकाशीय विजली गिरने की सम्भावना है। साथ ही हवा की रफ्तार थोड़ी तेज हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 32–37 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 25–27 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 70 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में मुख्यतः पूरवा हवा औसतन 15 से 20 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से रहने का अनुमान है।

समसामयिक सुझाव

- जिन क्षेत्रों में अच्छी वर्षा हुई है एवं धान का विचड़ा तैयार हो वे नीची तथा मध्यम जमीन में रोपनी करें। अगर इन क्षेत्रों में किसानों के पास बिचड़ा उपलब्ध नहीं है, तो किसान भाई कदवा करके धान की सीधी बुआई वेट डी.एस.आर.विधि से करें। जहाँ हल्की वर्षा हुई है एवं किसानों के पास बिचड़ा भी नहीं है, वैसे किसान अल्प अवधि एवं मध्यम अवधि वाले धान के बीज को डी.एस.आर. विधि से धान की बुआई करें।
- धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए रोपाई के २–३ दिन बाद तथा एक सप्ताह के अन्दर ब्यूटाक्लोर (३ लीटर दवा प्रति हेक्टेयर) या प्रीटलाक्लोर (१.५ लीटर दवा प्रति हेक्टर) या पेन्डीमिथेलीन (३ लीटर दवा प्रति हेक्टर) का ५००–६०० लीटर पानी मे घोल बनाकर एक हेक्टर क्षेत्र में छिड़काव करें। छिड़काव के वक्त खेत में एक से०मी० पानी की उपस्थिति रहनी चाहिए।
- धान की रोपाई के समय उर्वरकों का व्यवहार सदैव मिट्टी जाँच के आधार पर करें। यदि मिट्टी जाँच नहीं कराया गया हो तो मध्यम एवं लम्बी अवधि की किस्मों के लिए ३० किलो ग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम स्फुर एवं ४० किलोग्राम पोटाश का व्यवहार करें।
- किसान भाई ऊचॉस जमीन में तिल की बुआई २–३ दिनों के बाद वर्षा की संभावना को ध्यान में देखते हुए करें। कृष्णा, काँके सफेद, कालिका और प्रगति तिल की अनुशंसित किस्में हैं। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर ६० किवन्टल कम्पोस्ट, २० किलो नेत्रजन, २० किलोस्फुर एवं २० किलो पोटाश का व्यवहार करें। बीजदर ४ कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर तथा कतार से कतार एवं पौध से पौध की दुरी ३० से०मी० ग १० से०मी० रखें। २.० ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित कर बुआई करे।
- केला की रोपाई करें। उत्तर बिहार में लम्बी किस्मों के लिए अलपान, चम्पा, कंथाली, मालभोग, चिनियाँ, शक्कर चिनियाँ, फिआ–२३ तथा बौनी एवं खाने वाली किस्मों के लिए ग्रैडनेन, रोबस्टा, बसराई, फिआ–१ अनुशंसित है। सब्जी वाली किस्में बतीसा, सावा, बनकेल, कचकेल, फिआ–३ तथा सब्जी एवं फल दोनों में उपयोग आने वाली किस्में कोठियाँ, मुठियाँ, दुधसागर एवं चकिया अनुशंसित है। लम्बी जातियों में पौधा से पौधा की दुरी २.० मीटर है एवं बौनी जातियों में १.५ मीटर रखें।
- आम का बाग लगाने का यह समय अनुकुल चल रहा है। किसान भाई अपने पसंद के अनुसार अलग–अलग समय में पकने वाली किस्मों का चयन कर सकते हैं। मई के अन्त से जुन माह में पकने वाली किस्में मिठुआ, गुलाबखास, बम्बई, एलफॉन्जों, जड़दालू, जून माह में पकने वाली किस्में लंगड़ा (मालदह), हेमसागर, कृष्णभोग, अमन दशहरी, जुलाई माह में पकने वाली किस्में फजली, सुकुल, सिपिया, तैमूरिया, अगस्त में पकने वाली किस्में समरबहिश्त, चौसा, कतिकी है। आम के संकर किस्मों के लिए महमूद बहार, प्रभाशंकर, अम्रपाली, मल्लिका, मंजीरा, मेनिका, सुन्दर लंगड़ा राजेंद्र आम–१, रत्ना, सबरी, जवाहर, सिंधु, अर्का, अरुण, मेनका, अलफजली, पूसा अरुणिमा आदि अनुशंसित है। कलमी आम के लिए पौधा से पौधा की दूरी १० मीटर, बीजु के लिए १२ मीटर रखें। आम्रपाली किस्म की सघन बागवानी हेतु पौधों को २.५ X २.५ मीटर की दूरी पर लगा सकतें हैं।
- उचॉस जमीन की तैयारी करके अरहर की बुआई करें। उपरी जमीन में बुआई के समय प्रति हेक्टेयर २० किलोग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम स्फुर,२० किलोग्राम पोटाश तथा २० किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा ९, नरेद्र अरहर १, मालवीय–१३, राजेन्द्र अरहर–१ आदि किस्में बुआई के लिए अनुशसित है। बीज दर १८–२० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के २४ घंटे पूर्व २.५ ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।
- जिन क्षेत्रों में हल्की वर्षा हुई है, वहॉ ऊचॉस जमीन में सुर्यमुखी की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है। मोरडेन, सुर्या, सी०ओ०–१ एवं पैराडेविक सुर्यमुखी की उन्नत संकुल प्रभेद है जबकि बी०एस०एच०–१, के० बी०एस०एच०–१, के० बी०एस०एच०–४४ सुर्यमुखी की संकर प्रभेद है। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर १०० किवन्टल कम्पोस्ट, ३०–४० किलो नेत्रजन, ८०–९० किलो स्फुर एवं ४० किलो पोटाश का व्यवहार करें। बुआई के समय किसान ३०–४० किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार कर सकते है। संकर किस्मों के लिए बीज दर ५ किलोग्राम तथा संकुल के लिए ८ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से रखें।

आज का अधिकतम तापमानः 34.1 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 25.9 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी